Indira Gandhi National Open University

Regional Centre, 5-C/INS-1, Sector-5, Vrindavan Yojna, Telibagh, Lucknow - 226 024

Report on Visit of Prof. Nageshwar Rao, Hon'ble Vice Chancellor, IGNOU at Regional Centre, Lucknow

Prof. Nageshwar Rao, Hon'ble Vice Chancellor, Indira Gandhi National Open University (IGNOU) has visited Regional Centre, Lucknow on Sunday, 21st January, 2024 and interacted with the officials of Regional Centre. Prof. Rao discussed about newly launched Four Years Bachelor's Degree Programmes and other programmes as Foreign Languages (CFL, CRUL, CAL, CUL, CJL, CKLC, CSLC, CGL, CPEL, MA in Spanish, French) and programmes related to Indian Knowledge System. Prof. Rao stressed upon the significance of social media platforms as Facebook, X, YouTube Channel for circulation of publicity material as Flyers, Posters, Audios & Videos. Prof. Rao further instructed to provide better support services to IGNOU learners through Swayam Prabha Channel and other medium of Online Learning. He emphasized to use services of Academic Counsellors for counselling from National pool of IGNOU Academic Counsellors. Prof. Rao said in his address that each member of IGNOU at any level from Headquarters to Learner Support Centre play a vital role for achieving the goal of Higher Education and to bring every interested IGNOU aspirant into the main stream of Skill Based Education provided by IGNOU. On occasion **Dr. Manorama Singh**, Senior Regional Director, **Dr. Ashwini Kumar**, Additional Director, **Dr. Kirti Vikram Singh, Dr. Reena Kumari & Dr. Anamika Sinha,** Assistant Regional Directors and **Mr. Arbinda Mishra,** Executive (DP) and **Dr. Alok Shukla,** Assistant Coordinator, IGNOU LSC-2781, MLK PG College, Balrampur were present.

इग्नू : भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े कोर्सों की भी पढ़ाई

जासं, लखनऊ : अब इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) से विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित पाठ्यक्रमों की भी पढ़ाई कर सकेंगे। इनमें वैदिक अध्ययन, हिंदी व्यावसायिक लेखन, हिंदू अध्ययन, ज्योतिष में स्नातकोत्तर के साथ भारतीय कालगणना और ऐतिहासिक कालक्रम, कालगणना की विधियां, वैदिक गणित में प्रमाण पत्र ले सकेंगे। इसके अलावा संस्कृत साहित्य में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवाओं को भारतीय संस्कृति संबंधित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार पाने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय ने यह पाठ्यक्रम लांच किए हैं।

लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के दौरे पर हाल ही में आए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने यह जानकारी साझा की। उनके अनुसार प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए क्रेडिट भी निर्धारित किए गए हैं।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने शुरू किए कई प्रमाण पत्र और पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम

विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। काल चिंतन, कालगणना आदि पाठ्यक्रमों में भारतीय अवधारणाओं की वैज्ञानिकता व समय की गणना के बारे में बताया जाएगा। विद्यार्थी समय गणना के विज्ञान का भी विश्लेषण कर सकेंगे। वास्तुशास्त्र का इतिहास एवं स्वरूप, गृह पिंड विचार आदि कोर्स में अपने प्रकार के निर्माण की विधियां व उससे होने वाले लाभ-हानि से जुड़े ज्ञान-विज्ञान के शास्त्र को भी जान सकेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट दी गई है।

इग्नू ने लॉंच किए भारतीय ज्ञान परम्परा सम्बन्धित पाठ्यक्रम

झाँसी : इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि के कुलपति प्रो. नागेश्वर रॉव के निर्देश पर वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है। विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इग्नू पाठ्यक्रम जैसे फ्रेंच, स्पैनिश, जर्मन, अरेबिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू में प्रवेश के लिए उम्र का कोई बन्धन नहीं है।

इग्नू ने लॉन्च किये भारतीय ज्ञान परम्परा सम्बन्धित पाठ्यक्रम: प्रो0 नागेश्वर रॉव

झाँसी (बीपीएन टाइम्स)। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 नागेश्वर रॉव ने क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया।

प्रो0 रॉव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है। विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इग्नू पाठ्यक्रम जैसे फ्रेंच, स्पैनिश, जर्मन, अरेबिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायिक लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय कालगणना, वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवाओं भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक प्रदान करने में सहायक है। जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओ.डी.एल. मोड में पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इग्नू में प्रवेश हेतु उम्र का कोई बन्धन नहीं है, यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है, तो वह भी इग्नू से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकते हैं। जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश की अन्तिम तिथि 31 जनवरी 2024 है।

इग्नू ने लांच किया भारतीय ज्ञान परंपरा संबंधित पाठ्यक्रम- प्रोफेसर राव

(आज समाचार सेवा)

उरई (जालौन) २२ जनवरी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल दिया।

प्रोफेसर राव ने कहा कि अनुसूचित जाति ,जनजाति के विद्यार्थियों को स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गई है । विदेशी भाषाओं संबंधित इग्नू पाठ्यक्रम जैसे फ्रेंच, स्पेनिश, जर्मन एवं अरबी पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम है इन पाठ्यक्रमों में रोजगार की पर्याप्त संभावनाएं हैं ।भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पाठ्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिंदी व्यावसायिक लेखन, हिंदू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय काल गणना, वैदिक गणित में प्रमाण पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम, युवाओं को भारतीय संस्कृति संबंधित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक हैं। आधुनिक तकनीकी के युग में विश्वविद्यालय संबंधित सूचनाओं एवं पाठ्यक्रमों संबंधित जानकारी के प्रचार में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब चैनल की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनवरी २०२४ सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के तहत ४ वर्षीय स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन एवं ओडीएल मोड में पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हिंदी भाषा के साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है। लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र द्वारा स्वयं प्रभा चैनल नंबर ११ के माध्यम से प्रातः १० बजे से ११ बजे तक अकादमिक परामर्शदाताओं द्वारा विषयवार पाठ्यक्रमों का सत्र लिया जाता है। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जोड़ने का अवसर प्रदान करता है इग्नू में प्रवेश हेतु उम्र का कोई बंधन नहीं है यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है तो वह भी इग्नू से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकते हैं। जनवरी २०२४ सत्र में प्रवेश की अंतिम तिथि ३१ जनवरी २०२४ है। इग्नू पाठ्यक्रमों एवं अध्ययन से संबंधित जानकारी के लिए दयानंद वैदिक कॉलेज उरई में शिक्षक शिक्षा विभाग के कोऑर्डिनेटर डॉ. शैलजा गुप्ता से संपर्क किया जा सकता है। दयानंद वैदिक कॉलेज उरई को परीक्षा केंद्र भी बनाया गया है।

अमन यात्रा

लखनऊ उत्तरप्रदेश फ्रेश न्यूज

इग्नू ने लॉन्च किये भारतीय ज्ञान परम्परा सम्बन्धित पाठ्यक्रम : प्रो0 नागेश्वर रॉव

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 नागेश्वर रॉव ने क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया। प्रो0 रॉव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है।

AMAN YATRA · 18 hours ago 14 1 minute read

लखनऊ : इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 नागेश्वर रॉव ने क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया। प्रो0 रॉव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है।

विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इग्नू पाठ्यक्रम जैसे फ्रेंच, स्पैनिश, जर्मन, अरेबिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं। इन पाठ्यक्रमों में रोजगार की पर्याप्त सम्भावनायें हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायिक लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय कालगणना, वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवाओं भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक प्रदान करने में सहायक है। आधुनिक तकनीकि के युग में विश्वविद्यालय सम्बन्धित सूचनाओं एवं पाठ्यक्रमों सम्बन्धित जानकारी के प्रसार में सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब चैनल की महत्वपूर्ण भूमिका है।

जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओ.डी.एल. मोड में पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा के साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है। लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा स्वयंप्रभा चैनल नं 11 के माध्यम से प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे तक अकादमिक परामर्शदाताओं द्वारा विषयवार पाठ्यक्रमों का सत्र लिया जाता है।

वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इग्नू में प्रवेश हेतु उम्र का कोई बन्धन नहीं है, यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है, तो वह भी इग्नू से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकते हैं। जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश की अन्तिम तिथि 31 जनवरी 2024 है।

इग्नू ने लांच किये भारतीय ज्ञान परम्परा संबंधित पाठ्यक्रम

फर्रुखाबाद, समृद्धि न्यूज

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो0 नागेश्वर राव ने क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज में वंचित वर्गो को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्व विद्यालय के प्रयासों पर बल दिया। प्रो0 राव ने कहा कि अनु सूचित जाति व जन जाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गई है। इग्नू में रोजगार पर्याप्त संभावनायें है। भारतीय ज्ञान परम्परा पाठ्यक्रम में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायीक, लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नाकोत्तर, भारतीय काल गणना, वैदिक गणित प्रमाण पत्र, संस्कृत साहित्य, विज्ञान में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम, युवाओं भारतीय संस्कृति संबंधित ज्ञान संबर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में साहयक है। क्षेत्रीय निदेशक डा0 मनोरमा मिश्रा ने बताया कि इग्नू बिना भेदभाव समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इग्नू से जुड़कर लोग ज्ञान का संबर्धन कर सकते है। अंतिम तिथि 31 जनवरी 2024 है। यह जानकारी डीएन कालेज के प्रो डा0 विनोद कुमार तिवारी ने दी है।

इग्नू ने लॉन्च किये भारतीय ज्ञान परम्परा के पाठ्यक्रम – प्रो0 नागेश्वर राव

चित्रकूट (एस.बी.न्यूज)

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 नागेश्वर राँव ने क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया।

प्रो0 राव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है। विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इग्नू पाठ्यक्रम जैसे फ्रेंच, स्पैनिश, जर्मन, अरेबिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं। इन पाठ्यक्रमों में रोजगार की पर्याप्त सम्भावनायें है। भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायिक लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय कालगणना, वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवाओं भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक प्रदान करने में सहायक है। आधुनिक तकनीकि के युग में विश्वविद्यालय सम्बन्धित सूचनाओं एवं पाठ्यक्रमों सम्बन्धित जानकारी के प्रसार में सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब चैनल की महत्वपूर्ण भूमिका है।

जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओ.डी.एल. मोड में पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा के साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है। लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा स्वयंप्रभा चैनल नं 11 के माध्यम से प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक अकादमिक परामर्शदाताओं द्वारा विषयवार पाठ्यक्रमों का सत्र लिया जाता है। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इग्नू में प्रवेश के लिए उम्र का कोई बन्धन नहीं है, यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है, तो वह भी इग्नू से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकते हैं। जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश की अन्तिम तिथि 31 जनवरी 2024 है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 विनय कुमार चौधरी ने बताया कि इग्नू छात्र, छात्राओं के बेहतर भविष्य के लिए समय के अनुसार नये कोर्सों का संचालन कर रहा है। अतः छात्र, छात्राएं अपनी स्किल के अनुसार कोर्सों में प्रवेश लेकर अपने बेहतर कैरियर का चुनाव कर सकते हैं। डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह समन्वयक इग्नू अध्ययन केन्द्र 27216 गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी चित्रकूट ने बताया कि इग्नू डिग्री कार्यक्रमों के साथ तमाम ऐसे सर्टीफिकेट व डिप्लोमा कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है जो छात्र, छात्राओं के लिए बहुत ही उपयोगी है।

इग्नू ने लॉन्च किये भारतीय ज्ञान परम्परा सम्बन्धित पाठ्यक्रम : प्रो0 रॉव

लखनऊ(उमेश यादव)।इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 नागेश्वर रॉव ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया। प्रो0 रॉव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है। विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इग्नू पाठ्यक्रम जैसे फ्रेंच, स्पैनिश, जर्मन, अरेबिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं।इन पाठ्यक्रमों में रोजगार की पर्याप्त सम्भावनायें हैं।भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायिक लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में

स्नातकोत्तर, भारतीय कालगणना, वैदिक गणित में प्रमाण पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवाओं को भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक है।आधुनिक तकनीकि के युग में विश्वविद्यालय सम्बन्धित सूचनाओं एवं पाठ्यक्रमों सम्बन्धित जानकारी के प्रसार में सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब चैनल की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं।वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओडीएल मोड में पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा के साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है। लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा स्वयंप्रभा चैनल नं 11 के माध्यम से प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक अकादमिक परामर्शदाताओं द्वारा विषयवार पाठ्यक्रमों का सत्र लिया जाता है। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इग्नू में प्रवेश हेतु उम्र का कोई बन्धन नहीं है, यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है, तो वे भी इग्नू से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकते हैं। जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश की अन्तिम तिथि 31 जनवरी 2024 है।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

उत्तर प्रदेश | बरेली | एजुकेशन | परीक्षा

बरेली: इग्नू ने लॉन्च किया भारतीय ज्ञान परंपरा संबंधित पाठ्यक्रम, जानिए एडमिशन की अंतिम तारीख

By Vikas Babu On 21 Jan 2024 18:18:27

बरेली, अमृत विचार। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। जिसमें बरेली कॉलेज से इग्नू के कोऑर्डिनेटर डॉ कमल कुमार सक्सेना ने कहा कि निर्देशित किया है कि समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अनुसूचित जाति व जनजाति के विद्यार्थियों के लिए स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में प्रवेश शुल्क में छूट प्रदान की गई है। विदेशी भाषाओं से संबंधित पाठ्यक्रम में जैसे फ्रेंच, स्पेनिश, जर्मन, अरबी पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं। इन पाठ्यक्रमों से रोजगार की पर्याप्त संभावनाएं हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पाठ्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिंदी व्यावसायिक लेखन, हिंदू अध्ययन संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय काल गणना, वैदिक गणित में प्रमाण पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवा भारतीय संस्कृति के संबंधित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक प्रदान करने में सहायक है।

आधुनिक तकनीक के युग में विश्वविद्यालय संबंधित सूचनाओं पाठ्यक्रम संबंधित जानकारी के प्रसार में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब चैनल की महत्वपूर्ण भूमिका हैं। जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं।

वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर मनोरम सिंह ने बताया कि इग्नू ने बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जोड़ने का अवसर प्रदान कर रहा है। इग्नू में प्रवेश हेतु उम्र का कोई बंधन नहीं है। यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप है तो वह भी इनमें से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकता है। जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश के अंतिम तिथि 31 जनवरी 2024 है।

इग्नू ने लॉन्च किये भारतीय ज्ञान परम्परा सम्बन्धित पाठ्यक्रम : प्रो0 नागेश्वर रॉव

अमन यात्रा ब्यूरो

लखनऊ । इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 नागेश्वर रॉव ने क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया। प्रो0 रॉव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है।

विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इग्नू पाठ्यक्रम जैसे फ्रेंच, स्पैनिश, जर्मन, अरेबिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम है। इन पाठ्यक्रमों में रोजगार की पर्याप्त सम्भावनायें हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायिक लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय कालगणना, वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवाओं भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक प्रदान करने में सहायक है। आधुनिक तकनीकि के युग में विश्वविद्यालय सम्बन्धित सूचनाओं एवं पाठ्यक्रमों सम्बन्धित जानकारी के प्रसार में सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब चैनल की महत्वपूर्ण भूमिका है।

जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओ.डी.एल. मोड में पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा के साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है। लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा स्वयंप्रभा चैनल नं 11 के माध्यम से प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे तक अकादमिक परामर्शदाताओं द्वारा विषयवार पाठ्यक्रमों का सत्र लिया जाता है।

वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इग्नू में प्रवेश हेतु उम्र का कोई बन्धन नहीं है, यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है, तो वह भी इग्नू से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकते है।

इग्नू के कुलपति ने क्षेत्रीय केंद्र में विभिन्न बिंदुओं पर किया चर्चा

लोहिया क्रान्ति संवाददाता

बलरामपुर । इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर रॉव ने रविवार को क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल किया। प्रो0 रॉव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है। विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इग्नू पाठ्यक्रम जैसे फ्रेंच, स्पैनिश, जर्मन, अरेबिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं। इन पाठ्यक्रमों में रोजगार की पर्याप्त सम्भावनायें हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायिक लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय कालगणना, वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवाओं भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक प्रदान करने में सहायक है। आधुनिक तकनीकि के युग में विश्वविद्यालय सम्बन्धित सूचनाओं एवं पाठ्यक्रमों सम्बन्धित जानकारी के प्रसार में सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब चैनल की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओ.डी.एल. मोड में पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा के साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है। लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा स्वयंप्रभा चैनल नं 11 के माध्यम से प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे तक अकादमिक परामर्शदाताओं द्वारा विषयवार पाठ्यक्रमों का सत्र लिया जाता है। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इग्नू में प्रवेश हेतु उम्र का कोई बन्धन नहीं है, यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है, तो वह भी इग्नू से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकते है। जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश की अन्तिम तिथि 31 जनवरी 2024 है।

इग्नू ने लांच किये भारतीय ज्ञान परम्परा सम्बन्धित पाठ्यक्रम : प्रो नागेश्वर रॉव

चित्रकूट(बीएनटी संवाददाता)। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो नागेश्वर रॉव ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया।कुलपति प्रो नागेश्वर रॉव ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है। विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इग्नू पाठ्यक्रम जैसे फ्रेंच, स्पैनिश, जर्मन, अरेबिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं। इन पाठ्यक्रमों में रोजगार की पर्याप्त सम्भावनायें हैं।भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायिक लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय कालगणना, वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवाओं भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक प्रदान करने में सहायक है। आधुनिक तकनीकि के युग में विश्वविद्यालय सम्बन्धित सूचनाओं एवं पाठ्यक्रमों सम्बन्धित जानकारी के प्रसार में सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब चैनल की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओ.डी.एल. मोड में पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा के साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है।लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा स्वयंप्रभा चैनल नं 11 के माध्यम से प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक अकादमिक परामर्शदाताओं द्वारा विषयवार पाठ्यक्रमों का सत्र लिया जाता है।वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इग्नू में प्रवेश के लिए उम्र का कोई बन्धन नहीं है, यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है, तो वह भी इग्नू से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकते हैं। जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश की अन्तिम तिथि 31 जनवरी है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विनय कुमार चौधरी ने बताया कि इग्नू छात्र-छात्राओं के बेहतर भविष्य के लिए समय के अनुसार नये कार्सों का संचालन कर रहा है। अतः छात्र-छात्राएं अपनी स्किल के अनुसार कोर्सों में प्रवेश लेकर अपने बेहतर कैरियर का चुनाव कर सकते हैं। डॉ धर्मेन्द्र सिंह समन्वयक इग्नू अध्ययन केन्द्र 27216 गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी चित्रकूट ने बताया कि इग्नू डिग्री कार्यक्रमों के साथ तमाम ऐसे सर्टीफिकेट व डिप्लोमा कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है जो छात्र-छात्राओं के लिए बहुत ही उपयोगी हैं।

असम में हमले के विरोध पर कांग्रेसियों ने जताया आक्रोश

चित्रकूट(बीएनटी संवाददाता)। भारत जोडो न्याय यात्रा पर असम में हमले के विरोध में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी कर्वी को सौपा।कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने कहा कि भारत जोडों न्याय यात्रा हमारे नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 14 जनवरी से मणिपुर से शुरू होकर नागालैंड अरुणाचल प्रदेश होते हुए असम में प्रवेश किया, लेकिन यात्रा को मिल रहे जन समर्थन से केंद्र व प्रदेश में बैठी भाजपा सरकार बौखला गई।असम के मुख्यमंत्री खुलेआम मीडिया के सामने यात्रा को रोकने की धमकी दे रहे हैं, उसी के परिणाम स्वरूप 20 व 21 जनवरी को भाजपा के गुंडे द्वारा भारत जोडो में यात्रा पर हमला किया गया और रोकने का प्रयास किया। जिसमें असम के प्रदेश अध्यक्ष सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ता घायल हो गए और स्टीकर फाडे गए। यहां तक की राहुल गांधी को भी रोकने का प्रयास किया।साथ ही असम सरकार द्वारा राहुल गांधी को भगवान शंकर के दर्शन करने से रोका गया। जिसकी जिला कांग्रेस कमेटी घोर निंदा करती है और मांग करती है ऐसे गुंडे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। भगवान सबके है लोकतंत्र में कहीं भी कोई दर्शन कर सकता है, लेकिन भाजपा सरकार घबराई हुई है। इस अन्याय के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा।यात्रा महंगाई बेरोजगारी जनता से जुडे मुद्दे उठने के लिए की जा रही है। वह किसी के धमकी से रोकने वाली नहीं है। यात्रा जारी रहेगी। अगर शासन ने ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन करेगी।इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष अवधेश कस्वरिया, अनिल गुप्ता, विजय मणि त्रिपाठी, किसान कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश सिंह, जग जाहिर पटेल, महेंद्र सिंह, शुभम त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस प्रोग्राम के जरिए ग्रामीणों को किया सचेत

चित्रकूट(बीएनटी संवाददाता)। द हंस फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट कार्यक्रम के अंतर्गत मऊ ब्लाक के मुरका और पहाड़ी ब्लाक के खोंपा बांगर गांव में जागरूकता कार्यक्रम अका आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। परियोजना समन्वयक राधा ने बताया कि जनपद के मऊ, मानिकपुर, पहाडी और रामनगर विकासखंडों में सर्वाइकल स्वास्थ्य जागरूकता माह के उपलक्ष्य में समुदाय में महिलाओं एवं किशोरियों के साथ कई जागरूकता अभियान चलाएं जा रहें है। जिससे वह अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहे। साथ ही राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में भी समुदाय में जागरुकता कार्यक्रम नारा लेखन प्रतियोगिता, युवाओं के साथ खुली बैठक आयोजित की गयी।

- Senior Regional Director